XI th Psychological

(1)

Date - 7.4.2020
DR. Laxmi Kumari
Dept. of Psychology
R.N.C. Pandaul

समाधान निर्माण परीक्षण का उपयोग करके परीक्षार्थी की बुद्धि-लब्धि का पता लगाना।

परिचय - इस परीक्षण (घन निर्माण परीक्षण) की बनाना एलेक्जेन्डर के बैटरी परीक्षण के अन्तर्गत की जाती है। पास एडलॉग परीक्षण तथा ब्लॉक डिजाइन परीक्षण की तरह यह भी एक क्रियात्मक परीक्षण तथा वैयक्तिक परीक्षण है।

इस परीक्षण का निर्माण यों ने किया। इसके तीन उप-परीक्षण अथवा मॉडल हैं। इनमें पाँच घन ऐसे हैं जिनका केवल एक रूप भरा है, 8 घन ऐसे हैं जिनके दो रूप भरे हैं, 12 घन ऐसे हैं जिनके तीन पक्ष या रूप भरे हैं और एक घन ऐसा है जो पूरी तरह उजला है। पहला मॉडल 3"×3" आकार का है, जिसमें 9 घन शामिल हैं। दूसरा मॉडल भी 3"×3" आकार का है, जिसमें कुल 9 ब्लॉक शामिल हैं। तीसरा मॉडल में कुल 8 ब्लॉक हैं जो देखने में बिल्कुल उजला होता है। पहला मॉडल 3"×3" आकार का है, जिसमें 9 घन शामिल हैं। दूसरा मॉडल भी 3"×3" आकार का है, जिसमें कुल 9 ब्लॉक शामिल हैं। तीसरा मॉडल में कुल 8

Scanned with CamScanner

①

Date - 7-4-2020
Dr. Laxmi Kumari
Dept. of PSY
R.N.C. Pandaul.

B.A Part I Sub

प्रयोग विधि के दोष

(1) प्रयोगशाला का कृत्रिम वातावरण प्रयोगशाला में किसी भी विशिष्ट अध्ययन के लिए एक विशेष प्रकार का वातावरण तैयार किया जाता है। इस विशेष प्रकार के कृत्रिम और नियंत्रित वातावरण में कोई भी व्यक्ति स्वाभाविक रूप से व्यवहार नहीं कर सकता। ऐसी स्थिति में व्यक्ति का व्यवहार भी कृत्रिम हो जाता है।

(2) सूचियों को नियंत्रित करना कठिन प्रयोग विधि में प्रयोग से पूर्वनिश्चित अनेक परिस्थितियों को नियंत्रित कर पाना कठिन अथवा असंभव हो जाता है। ऐसी स्थिति में अधिकांश पात्र अपनी स्थितियों से प्रेरित होकर भी व्यवहार करते हैं। स्पष्ट है कि इस प्रकार के अध्ययन के परिणामस्वरूप निरपेक्षनीय निष्कर्ष प्राप्त नहीं हो सकते हैं।

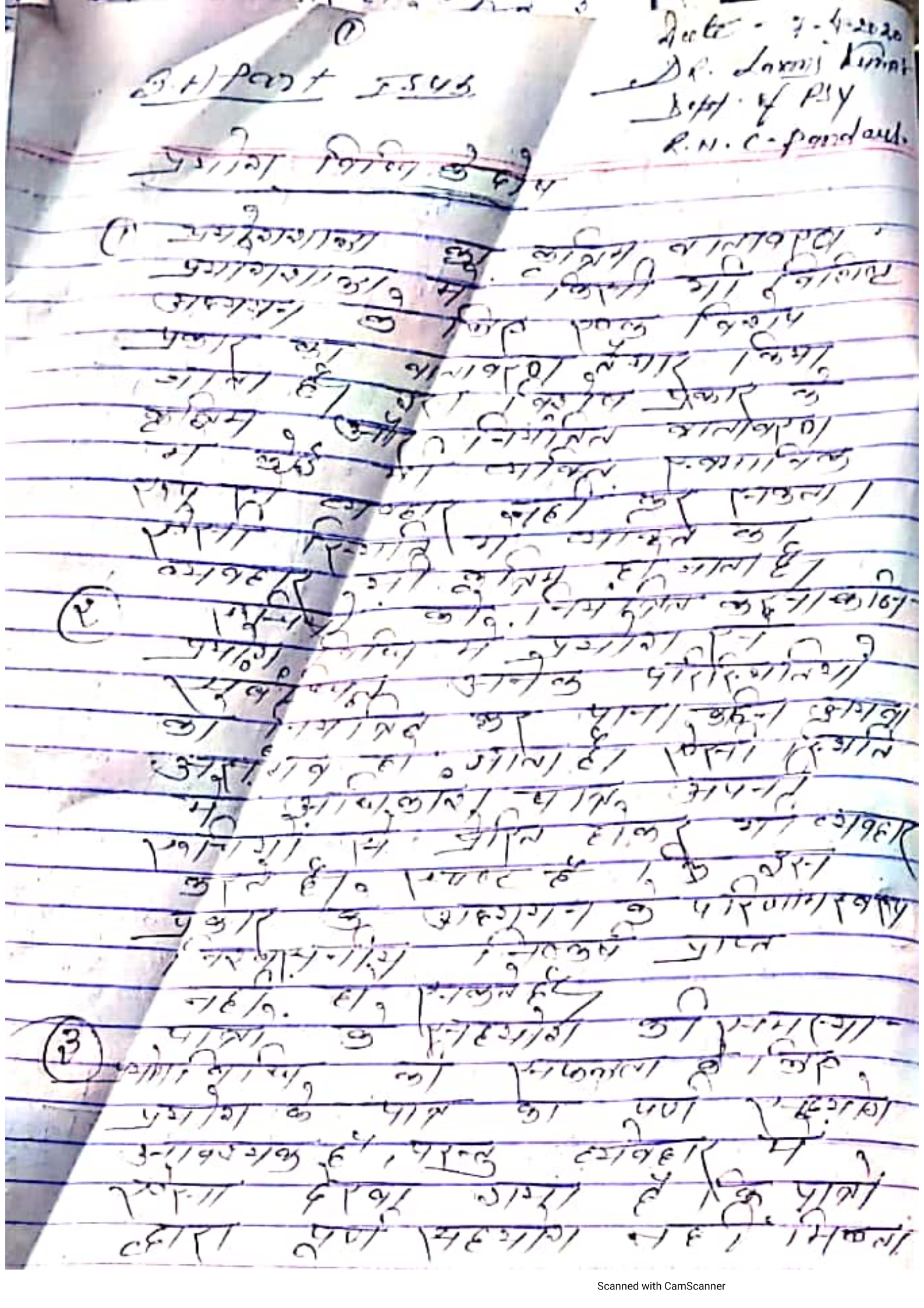

(3) पात्रों के सहयोग की समस्या प्रयोग विधि की सफलता है। जिस प्रयोग के पात्र का पूर्ण सहयोग आवश्यक है, परन्तु व्यवहार में ऐसा देखा गया है कि पात्रों द्वारा पूर्ण सहयोग नहीं मिलता

(4)

(5)

Scanned with CamScanner